

हमने सीखा

- ▶ हम भाषा के द्वारा ही मन की बातों को दूसरों तक पहुँचा सकते हैं और दूसरों की बातों को समझ सकते हैं।
- ▶ भाषा के दो रूप होते हैं— मौखिक और लिखित।
- ▶ जीव-जंतुओं की भी बोलियाँ होती हैं।



आओ अभ्यास करें

1. सही उत्तर के सामने सही (✓) का निशान लगाइए—

क. निशा भाषा के किस रूप का प्रयोग कर रही है?

मौखिक



लिखित

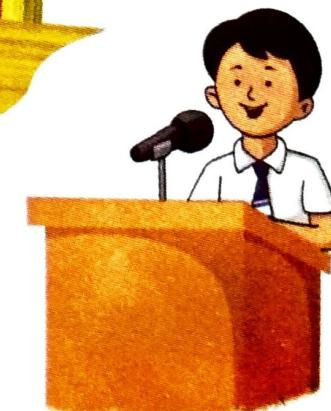


ख. रोहन भाषा के किस रूप का प्रयोग कर रहा है?

मौखिक



लिखित



2. हम दिनभर मौखिक भाषा या लिखित भाषा में से किसका प्रयोग अधिक करते हैं?

मौखिक (Mouth) वार्ता

3. खाली स्थान भरिए-

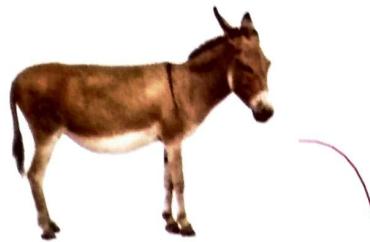
क. हम वार्ता की मदद से अपनी बात दूसरों को बताते हैं।

ख. जब हम बोलते हैं तो दूसरा सुनकर समझता है।

ग. जब हम लिखते हैं तो दूसरा पढ़कर समझता है।

घ. भाषा के टो रूप होते हैं।

4. चित्रों के अनुसार उनकी बोलियों का मिलान कीजिए-



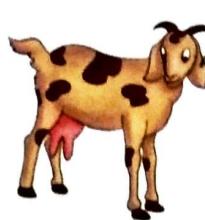
टाँय-टाँय



भौं-भौं



म्याँ-म्याँ

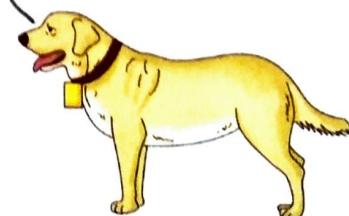


गुटर-गू

मैं-मैं...

काँव-काँव

डेंचू-डेंचू



कुकडू-कू